Raj Express (Indore), 18th February 2022, Page - 02

आईआईटी इंदौर के दो अविष्कारों को मिला पेंटेंट

इंदौर ▩ राज न्यूज नेटवर्क

अविष्कारों के क्षेत्र में देश के अन्य प्रगतिशील देशों के मुकाबले कमजोर मना जाता है, लेकिन अब इस क्षेत्र में तेजी से देश की संस्थान आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के दो नए अविष्कारों को भारत सरकार ने पेटेंट की मंजूरी दी है। पहला इनोवेशन नेक्स्ट जनरेशन के इलेक्ट्रिक वाहनों के पावर डिवाइस का है। दूसरा एंटी थेफ्ट फिंगर प्रिंट बायोमेट्री सिस्टम का। इससे पहले तक आईआईटी इंदौर को विभिन्न विषयों में 11 पेटेंट मिल चुके हैं। अब और दो पेटेंट मिलने के बाद यह संख्या 13 हो गई है। आईआईटी इंदौर को एंटी-थेफ्ट फिंगरं प्रिंट बायोमेट्री सिस्टम बनाने के लिए भी पेटेंट प्राप्त हुआ है। टीम ने एक ऐसी प्रणाली बनाई है जिससे फिंगर प्रिंट मशीनों को ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकता है। इसके तहत बायोमेट्रिक मशीन से कोई किसी तरह का डाटा चुराकर या गलत तरीके से किसी जगह प्रवेश नहीं कर सकता है। आईआईटी के प्रोफेसर शैबल मुखर्जी उनके साथी इनोवेटर प्रोफेसर अभिनव क्रांति और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के पीएचडी छात्र, एमडी आरिफ खान और रोहित सिंह ने इलेक्ट्रिक वाहनों के पावर डिवाइस और डॉ. अमित चटर्जी, आईआईटी इंदौर के प्रो. विमल भाटिया और आईईटी डीएवीवी से प्रो. शशि प्रकाश ने एंटी-थेफ्ट फिंगर प्रिंट बायोमेट्री सिस्टम का इनोवेशन किया है।